ISBN : 978-93-85595-39-4

प्रथम संस्करण : 2015

सर्वाधिकार © : लेखक

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा
दुकान न.– डी.. जी. 03, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,
रातू रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन न. 834001
मो. 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

वितरक : क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी
28, शॉपिंग सेन्टर, कर्मपूरा, न्यू दिल्ली–110 015
दूरभाष : (O) 25465978, 65903449 (R) : 28542847
E-mail : classicalpc@gmail.com

अजिल्द : 100.00
सजिल्द : 250.00

JAGRAN (PANCHPARGANIA KABYA)
by P. K. Singh

बिसइ-चिन्हाप

01. झारखंड	:	11
02. मातरिभासाक अभिनंदन	:	13
03. राबन दहन	:	14
04. करा नावा जागरन	:	17
05. का हलक आइज ?	:	19
06. काहिल	:	20
07. जागा	:	23
08. बिहान	:	25
09. नारी जागरन	:	27
10. नारी स'सन	:	29
11. बेटी	:	31
12. भसटाचार	:	33
13. निसा	:	35
14. मय आर मर मन	:	37
15. सपन	:	40
16. मके लागेला	:	45
17. समय	:	48
18. नावा पुरना	:	52
19. पयसा	:	55
20. बंदी	:	57
21. जनसंइखा	:	59
22. नावा सिरजन	:	61
23. चेत	:	62
24. जागेक काथा	:	63

25. सीख : 64
26. सिक्खा जागाऐक : 66
27. पसु-पाखीक संदेस : 68
28. हुँकार भरा : 69
29. जागर हाँड़ी : 70
30. मानब धरम : 71
31. गेआन-अइगान : 72
32. सामपरदायिकता : 73
33. छेतरिय भासा जागरन : 74
34. किसान जागरन : 75
35. पारारंभिक सिचूछा : 76
36. जीबन हलक साकार : 77
37. जीबन अकर अभिसाप : 78
38. जुइथ' : 82
39. एकता : 84
40. जरा सिक्खाक बाती : 87
41. एकला चला : 88
42 सुगूम रहा : 90
43. मर का द'स : 91
44. साधुक भेसे चोर : 93
45. बहावा जीबन धारा : 97
46. मांगा हक : 98
47. बिससासेक नास : 99
48. घोटाला : 100
49. भूख : 101
50. गरीबीक माइर : 104